## नफा नुकसान फेस टू फेस

**डी.पी.मंगल**

*चेयरमैन, लग्नम स्पिनटेक्स लिमिटेड*

# 'बिजली सस्ती मिले तो 'पॉवरफुल' बन सकती है टेक्सटाइल इंडस्ट्री'

देश की इकोनॉमी में टेक्सटाइल सेक्टर का महत्वपूर्ण योगदान है। कृषि के बाद कपड़ा उद्योग से बड़ी संख्या में लोग जुड़े हुए हैं। आंकड़ों को देखा जाये तो इस क्षेत्र में प्रत्यक्ष रूप से करीब 4.5 करोड़ और अप्रत्यक्ष रूप से करीब 6 करोड़ लोगों को रोजगार मिला हुआ है। कोविड़-19 महामारी के कारण टेक्सटाइल इंडस्ट्री को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ा लेकिन पिछले कुछ समय से टेक्सटाइल इंडस्ट्री को बढ़ावा मिल रहा है। वहीं कोरोना की पहली वेव के बाद से ग्लोबल स्तर पर चीन के अलग-थलग पड़ जाने का लाभ भारत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री को मिलने लगा है। देश में निर्मित टेक्सटाइल प्रोडक्ट्स की देश-विदेश में भारी डिमांड देखने को मिल रही है। देखा जाये तो एंटी-चाइना सेंटीमेंट का इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री को लाभ मिल रहा है। टेक्सटाइल इंडस्ट्री में सुधार के लिए सरकार बहुत जल्द प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेटिव्स (पीएलआई) स्कीम लागू करने जा रही है, जिससे टेक्सटाइल इंडस्ट्री को प्रोत्साहन मिलेगा। पीएलआई स्कीम लागू होने के बाद टेक्सटाइल सेक्टर में इन्वेस्टमेंट और अधिक बढ़ने की संभावना है। इस कारण उद्यमी व एक्सपोर्टर क्वालिटी पर फोकस करने के साथ ग्लोबल मार्केट में अपने आप को स्थापित कर सकेंगे। हाल ही में केंद्र सरकार ने जीएसटी काउंसिल की आगामी बैठक तक कपड़े पर जीएसटी यथावत रखा है, जिसके कारण महंगाई पर कंट्रोल लगने के साथ आमजन को सस्ता कपड़ा मुहैया हो सकेगा। यह कहना है भीलवाड़ा बेस्ड लग्नम स्पिनटेक्स लिमिटेड के चेयरमैन **डी.पी.मंगल** का जिन्होंने हाल ही में **नफा नुकसान** के साथ विशेष बातचीत की, जिसके प्रमुख अंश यहां प्रकाशित किये जा रहे हैं।

**प्रश्न: आपकी एजुकेशनल क्वालिफिकेशंस क्या है?**

**मंगल:** बीकॉम के साथ वर्ष 1973 में उदयपुर से सीए की डिग्री ग्रहण की है। इसके बाद वर्ष 2012 में कंपनी की शुरुआत कर उसमें चेयरमैन के रूप में बखूबी रूप से सेवायें दे रहा हूं। टेक्सटाइल इंडस्ट्री में 42 वर्षों का लंबा अनुभव प्राप्त है।

**प्रश्न: भीलवाड़ा की टेक्सटाइल इंडस्ट्री के बारे में आपकी क्या राय है?**

**मंगल:** कपड़ा नगरी भीलवाड़ा की टेक्सटाइल इंडस्ट्री का ओवरऑल सालाना टर्नओवर करीब 20000 करोड़ रुपये के आसपास है। भीलवाड़ा जिले में करीब 100 करोड़ मीटर कपड़ा सालाना बनता है। साथ ही करीब 4.5 लाख टन यार्न की मैन्युफैक्चरिंग की जाती है। इसके अलावा करीब 1.5 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है।

**प्रश्न: सरकार टेक्सटाइल सेक्टर को खूब सपोर्ट कर रही है। पीएलआई के बाद अधिकांश इन्वेस्टमेंट ऑटोमेशन पर होगा। इस लिहाज से सरकार का रोजगार बढ़ाने का लक्ष्य क्या पूरा हो पायेगा?**

**मंगल:** केंद्र सरकार ने टेक्सटाइल सेक्टर को बढ़ावा देने के लिये करीब 10,683 करोड़ रुपए की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम को मंजूरी दी है, जिसके कारण इंडस्ट्री को बड़े स्तर पर प्रोत्साहन मिलेगा। देश के कपड़ा उद्योग के कारोबार की बात की जाये तो वर्तमान में कॉटन का योगदान 75-80 फीसदी और मैन मेड फाइबर यानी एमएमएफ का योगदान महज 20 फीसदी है। दुनिया के अन्य देश इस मामले में भारत से काफी आगे है। टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लिए

पीएलआई स्कीम एक मजबूत कदम साबित होगा। पीएलआई के बाद टेक्सटाइल इंडस्ट्री में निश्चित तौर पर तकनीक को बढ़ावा मिलेगा। प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से सैंकड़ों लोगों को रोजगार भी मुहैया हो सकेगा। टेक्सटाइल इंडस्ट्री को इन्सेंटिव मिलने से वह डोमेस्टिक व ग्लोबल मार्केट में प्रतिस्पर्द्धा कर सकेगी। भारत एक्सपोर्ट के मामले में बांग्लादेश व वियतनाम से काफी आगे चला जाएगा। डोमेस्टिक मार्केट में भी सुधार देखने को मिलेगा।

**प्रश्न: टेक्सटाइल मार्केट में ओवरऑल तेजी बनी हुई है। क्या यह सस्टेनेबल है?**

**मंगल:** फिलहाल टेक्सटाइल मार्केट में तेजी बनी रहने की संभावना है।

**प्रश्न: कंपनी का 2021-22 में रेवेन्यू का क्या लक्ष्य निर्धारित है?**

**मंगल:** कंपनी का वित्तीय वर्ष 2020-21 में करीब 205 करोड़ रुपये का टर्नओवर था और करीब 4.60 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ है। कंपनी ने चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 में 325 करोड़ रुपये की रेवेन्यू का लक्ष्य निर्धारित किया है।

**प्रश्न: कंपनी के प्रोडक्शन कैपेसिटी के बारे में क्या कहना है?**

**मंगल:** कंपनी कॉटन यार्न की वृहद स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग करती है। कंपनी अपनी पूरी क्षमता के अनुरूप कार्य कर रही है। कंपनी कुल प्रोडक्शन का करीब 60 से 65 फीसदी हिस्सा एक्सपोर्ट करती है। वर्तमान में कंपनी करीब 22 से 23 देशों में कॉटन यार्न का एक्सपोर्ट करती है।

**प्रश्न: ऑवरऑल टेक्सटाइल कंपनियों पर डेब्ट अधिक है। आपकी कंपनी ने डेब्ट को किस तरह कम करने का लक्ष्य बनाया है?**

**मंगल:** टेक्सटाइल सेक्टर में कंपनियों को कैपिटल इन्वेस्टमेंट बड़े लेवल पर करना पड़ता है। टेक्सटाइल इंडस्ट्री चलानी है तो कंपनियों को मार्केट से पैसा उठाना ही पड़ेगा। कंपनी पर 30 सितंबर 2021 को 123.77 करोड़ रुपये का टर्मलोन व 13.62 करोड़ रुपये का वर्किंग कैपिटल डेब्ट है, जिसको कंपनी द्वारा धीरे-धीरे कम किया जा रहा है।

**प्रश्न: राजस्थान में टेक्सटाइल क्षेत्र के लिहाज से इन्वेस्टमेंट को लेकर सरकार को क्या करना चाहिये?**

**मंगल:** भीलवाडा अब स्पिनिंग, वीविंग से आगे बढ़कर टेक्नीकल टेक्सटाइल की ओर कदम बढ़ा रहा है। उद्यमियों को सर्वप्रथम रियायती रेट्स पर इंडस्ट्रीयल लैंड मुहैया करवाने की आवश्यकता है। एंटी चाइना सेंटीमेंट के कारण पिछले कुछ समय से टेक्सटाइल इंडस्ट्री में अच्छा फ्यूचर दिखाई दे रहा है, जिसके कारण टेक्सटाइल सेक्टर में इन्वेस्टमेंट बढ़ने की संभावना है। टेक्सटाइल सेक्टर का बेसिक रॉ-मेटेरियल बिजली है, जो उद्योगों को फिलहाल महंगी रेट्स पर मिल रही है। राजस्थान में बिजली महंगी होने के कारण टेक्सटाइल इंडस्ट्री को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। राजस्थान में उद्योगों को सस्ती रेट्स पर बिजली मुहैया कैसे करवाई जा सके उस पर सरकार को सोचने की आवश्यकता है। इसके अलावा टेक्सटाइल इंडस्ट्री समेत अन्य उद्योगों को इंडस्ट्रीयल लैंड रिजर्व प्राइस पर मुहैया करवाने की आवश्यकता है। टेक्सटाइल इंडस्ट्री को यदि रीजनेबल प्राइस पर बिजली मिलती है तो नये उद्योग स्थापित हो सकेंगे। साथ ही प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों को रोजगार भी मुहैया हो सकेगा।

**प्रश्न: आपकी नजर में राजस्थान की टेक्सटाइल इंडस्ट्री का सबसे बड़ा पॉजिटिव व नेगेटिव पहलू क्या है?**

**मंगल:** टेक्सटाइल इंडस्ट्री का सबसे बड़ा पॉजिटिव पहलू तो यह है कि राजस्थान में रॉ-मेटेरियल, लेबर व इंफ्रास्ट्रक्चर आसानी से उपलब्ध हो जाता है। जबकि इंडस्ट्री का नेगेटिव पहलू राजस्थान में पॉवर कॉस्ट ज्यादा होना है। इसलिये सरकार को नेगेटिव पहलू पर ध्यान देने की आवश्यकता है। इसके अलावा राजस्थान सरकार को सोलर पावर को बढ़ावा देने के साथ बड़े प्रोजेक्ट में सोलर प्लांट लगाने की अनिवार्यता कर देनी चाहिये।

| | |
|---|---|
| **विश्व जनसंख्या** | |
| दुनिया की ताजा जनसंख्या | 7,918,869,322 |
| इस वर्ष हुये जन्म | 2,958,248 |
| आज हुये जन्म | 271,666 |
| इस वर्ष हुई मौतें | 1,241,944 |
| आज हुई मौतें | 114,052 |
| जनसंख्या में इस वर्ष की निवल बढ़ोतरी | 1,716,305 |
| **सरकार व अर्थशास्त्र** | |
| स्वास्थ्य पर आज दुनिया में हुआ सरकारी खर्च | $ 11,215,754,339 |
| शिक्षा पर आज दुनिया में हुआ सरकारी खर्च | $ 7,584,374,674 |
| सेना पर आज दुनिया में हुआ सरकारी खर्च | $ 3,341,567,841 |
| कारों का इस वर्ष हुआ उत्पादन | 1,731,117 |
| साईकिलों का इस वर्ष हुआ उत्पादन | 3,243,009 |
| कम्प्यूटरों की इस वर्ष हुई बिक्री | 5,128,027 |
| **समाज और मीडिया** | |
| इस वर्ष प्रकाशित नई पुस्तकें | 57,698 |
| अखबारों की आज की प्रसार संख्या | 332,300,718 |
| टेलीविजन सेटों की आज हुई बिक्री | 474,837 |
| मोबाइल फोन्स की आज हुई बिक्री | 4,911,809 |
| वीडियोगेम्स पर हुआ आज का व्यय डॉलर में | $ 216,003,116 |
| इंटरनेट यूजरों की संख्या | 5,166,416,052 |
| आज भेजे गये ई-मेल | 197,370,075,582 |
| ब्लॉग्स पर आज हुई पोस्ट | 5,845,014 |
| आज किये गये ट्वीट | 600,380,896 |
| गूगल पर आज हुई सर्च | 6,027,289,282 |
| **पर्यावरण** | |
| इस वर्ष हुई वनों की कटाई हेक्टेयर में | 109,816 |
| क्षरण से इस वर्ष हुई भूमि की हानि हेक्टेयर में | 147,842 |
| $CO_2$ का इस वर्ष का उत्सर्जन टन में | 767,614,867 |
| मरुस्थलीकरण इस वर्ष हेक्टेयर में | 253,397 |
| कारखानों से इस वर्ष हुआ विषैला उत्सर्जन टन में | 206,780 |
| **भोजन** | |
| कुपोषित लोगों की ताजा संख्या | 857,597,804 |
| अधिक वजनी लोगों की ताजा संख्या | 1,721,300,884 |
| मोटे लोगों की संख्या | 799,892,194 |
| भूख से आज हुई मौतों की संख्या | 21,686 |
| यूएस में मोटापा जनित बीमारियों पर आज हुआ खर्च डॉलर में | $ 434,090,198 |
| यूएस में वजन कम करने पर आज हुआ खर्च डॉलर में | $ 134,056,530 |
| **ऊर्जा** | |
| दुनिया में ऊर्जा की आज की खपत मेगावॉट में इसमें--- | 330,982,637 |
| परम्परागत स्रोतों से | 281,751,110 |
| नवीकरणीय स्रोतों से | 49,843,098 |
| धरती तक आज पहुंची सौर ऊर्जा मेगावॉट में | 2,073,953,651,665 |
| कच्चे तेल का आज हुआ उत्पादन बैरल में | 67,884,465 |
| कच्चे तेल की शेष मात्रा बैरल में | 1,450,968,384,646 |
| कितने दिन का तेल शेष | 15,132 |
| गैस की शेष मात्रा | 1,084,465,306,074 |
| कितने दिन की गैस शेष | 57,077 |
| कोयला कितना शेष | 4,299,110,649,277 |
| कितने दिन का कोयला शेष | 148,245 |
| **स्वास्थ्य** | |
| संक्रामक रोगों से इस वर्ष हुई मौतें | 274,108 |
| इस वर्ष पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की हुई मौतें | 160,496 |
| इस वर्ष हुये गर्भपात | 901,275 |
| जन्म के दौरान इस वर्ष हुई मां की मौतें | 6,526 |
| एचआईवी संक्रमित लोगों की संख्या | 43,311,834 |
| एचआईवी से इस वर्ष हुई मौतें | 35,496 |
| कैंसर से हुई मौतों की संख्या | 173,415 |
| मलेरिया से हुई मौतों की संख्या | 8,326 |
| सिगरेटों की आज हुई खपत | 10,733,940,588 |
| धूम्रपान से इस वर्ष हुई मौतें | 105,554 |
| शराब सेवन से इस वर्ष हुई मौतें | 52,810 |
| इस वर्ष हुई आत्महत्यायें | 22,643 |
| नशीली दवाओं पर इस वर्ष हुआ खर्च डॉलर में | $ 8,447,000,820 |
| सड़क दुर्घटना में इस वर्ष हुई मौतें | 28,503 |

# टेक्नोलॉजी ने आसान कर दिए फाइनेंशियल ट्रांजेक्शंस

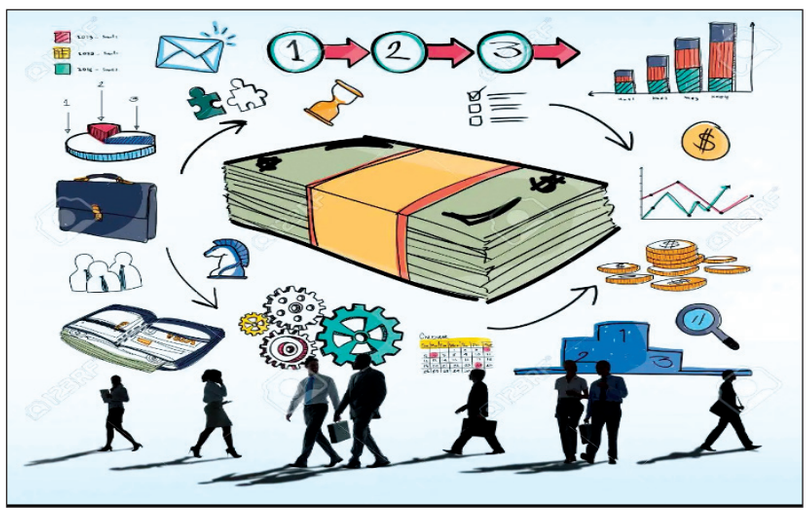

**टेक्नोलॉजी** ने पैसों के लेनदेन और प्रबंधन को किस कदर आसान कर दिया है। अब तो बिना नकदी, बिना इंटरनेट और बगैर मोबाइल के भी पेमेंट करने की व्यवस्था संभव होती दिख रही है। भारतीय रिजर्व बैंक जल्द ही एक ऐसी व्यवस्था करने जा रहा है, जिसके माध्यम से बिना इंटरनेट और बिना नकदी के भी 200 रुपये तक का भुगतान करना संभव होगा। इसके लिए नियम कायदे बनाने का काम चल रहा है। बैंक का कहना है कि इस तरह के लेनदेन सिर्फ आमने सामने ही किये जा सकेंगे। यानी पैसा देने वाले और लेने वाले की मौजूदगी में ही यह पेमेंट करना संभव हो पायेगा। इसे ऑफलाइन डिजिटल पेमेंट कहा जा सकता है। इसके लिए न तो इंटरनेट की जरूरत होगी, और न ही मोबाइल फोन कनेक्टिविटी की। यह पेटीएम जैसी सुविधा से आगे का एक कदम होगा। भारत में 2014 तक एटीएम पर निर्भरता बहुत अधिक थी। कुछ भी खरीदना होता, तो एटीएम से कैश निकाल कर भुगतान करना प ?ता था। इंटरनेट की सुलभता की वजह से, धीरे-धीरे मोबाइल बैंकिंग का चलन बढ़ने लगा। नोटबंदी के बाद, 2017 से एटीएम का प्रयोग 10 प्रतिशत वार्षिक दर से घटता गया। कैश लेनदेन की जगह मोबाइल वॉलेट से भुगतान का चलन शुरू हो गया।

भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 2020 में लॉकडाउन के चलते मोबाइल बैंकिंग के ट्रेंड पे जोर पकडा और मार्च 2021 तक बैंक खातों से हुए कुल लेनदेन में मोबाइल बैंकिंग की हिस्सेदारी 65.8 प्रतिशत हो गयी। एटीएम का इस्तेमाल घट कर 15.9 प्रतिशत हो गया और 10.4 प्रतिशत के साथ मोबाइल वॉलेट तीसरे स्थान पर चला गया। एटीएम कार्ड स्वैप करके होने वाले भुगतान 8 प्रतिशत से भी कम हो गये। एक अध्ययन के अनुसार, वर्ष 2020 में महामारी के दौरान इंस्टेंट पेमेंट की दर में 41 प्रतिशत वृद्धि हुई। देश में करीब 26 अरब रुपये की धनराशि का भुगतान रीयल टाइम पेमेंट विधियों से हुआ। अब आंकड़ों के लिए किसी सर्वेक्षण की जरूरत नहीं रही। डिजिटल माध्यमों से ही सारा डेटा फटाफट मिल जाता है, जिसकी मदद से सरकारों और बैंकों को आगे की रणनीति बनाने में बड़ी सहूलियत हो गयी है। देर से आंकड़े मिलने का मतलब होता है योजनाओं में फेरबदल करने या नुकसान होने से बचाने में विलम्ब।

क्रेडिट कार्ड का प्रयोग भी बढ़ा है, लेकिन इसका समझदारी से उपयोग करना जरूरी है। यह एक तरह से फटाफट मिलने वाला लोन है, जिससे तत्काल खरीदारी की जा सकती है। इस पर 30 से 45 दिन तक ब्याज से छूट मिलती है, लेकिन कैश निकालने पर यह सुविधा नहीं है। इमर्जेंसी हो और क्रेडिट कार्ड के जरिए पैसा निकालना ही पड़े तो जल्द से जल्द उसे चुका देना चाहिए। याद रहे कि नगदी निकालने पर क्रेडिट कार्ड जारी करने वाला बैंक अगले ही दिन से ब्याज काटना शुरू कर देता है। ब्याज भी छोटा-मोटा नहीं होता, यह 50 प्रतिशत सालाना होता है, वो भी चक्रवृद्धि यानी बढ़ता जाता है। इसलिए सतर्क रहना जरूरी है। ऑनलाइन लेनदेन बढ़ने के साथ ही ऑनलाइन अथवा साइबर अपराधों में भी वृद्धि हो रही है। इससे बचने के लिए पुलिस ने कुछ उपाय एवं सावधानियां बतायीं हैं, जैसे कि किसी अनजान व्यक्ति से प्राप्त लिंक पर क्लिक नहीं करना चाहिए। न ही इस तरह से प्राप्त हुए किसी क्यूआर कोड को स्कैन करना चाहिए।

– **नफा नुकसान टीम**

## Top 100 Companies in the World

| Rank | Rank Change | Company | Value US$bn | % change | Country | Main Industry |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 52 | 13 | Danaher | 203 | 27% | USA | Healthcare |
| 53 | -10 | AT&T | 202 | -1% | USA | Telecommunications |
| 54 | -12 | Merck & Co | 198 | -4% | USA | Healthcare |
| 55 | 4 | Broadcom | 192 | 17% | USA | Semiconductors |
| 56 | 4 | Chevron Corporation | 190 | 16% | USA | Energy |
| 57 | -2 | Reliance Industries | 188 | 11% | India | Telecommunications |
| 58 | -1 | T-Mobile US | 186 | 12% | USA | Telecommunications |
| 59 | 33 | Wells Fargo | 183 | 58% | USA | Financial Services |
| 59 | 28 | United Parcel Services | 183 | 54% | USA | Transportation & Logistics |
| 61 | 7 | SAP | 181 | 24% | Germany | Software & Services |
| 61 | -8 | Costco | 181 | 6% | USA | Retail |
| 63 | 25 | Shopify | 179 | 52% | Canada | Retail |
| 64 | 10 | Linde | 178 | 31% | UK | Chemicals |
| 65 | 32 | BHP Group | 176 | 55% | Australia | Metals & Mining |
| 66 | -3 | McDonald's Corporation | 175 | 9% | USA | Food & Beverages |
| 67 | 14 | Royal Dutch Shell | 173 | 38% | Netherlands | Energy |
| 68 | -40 | Robert Bosch | 172 | -28% | Germany | Automobile & Auto Components |
| 68 | -1 | Texas Instruments | 172 | 15% | USA | Semiconductors |
| 70 | -43 | Ping An Insurance | 170 | -31% | China | Financial Services |
| 70 | 46 | Morgan Stanley | 170 | 70% | USA | Financial Services |
| 72 | -6 | Medtronic | 169 | 12% | USA | Healthcare |
| 73 | -16 | Huawei | 165 | 0% | China | Consumer Electronics |
| 74 | -1 | Tata Consultancy Services | 164 | 18% | India | Software & Services |
| 75 | -5 | Honeywell International | 160 | 11% | USA | Software Industrial |
| 76 | -22 | Qualcomm | 158 | -7% | USA | Semiconductors |
| 77 | 9 | Novo Nordisk | 156 | 31% | Denmark | Healthcare |
| 78 | -17 | Unilever | 155 | -5% | UK | Consumer Goods |
| 78 | 32 | Hermes | 155 | 52% | France | Consumer Goods |
| 80 | 5 | Philip Morris International | 154 | 28% | USA | Consumer Goods |
| 81 | -12 | Nextera Energy | 153 | 5% | USA | Energy |
| 81 | -6 | Charter Communications | 153 | 13% | USA | Telecommunications |
| 83 | -43 | Ant Group | 150 | -28% | China | Financial Services |
| 83 | -12 | Bristol Myers Squibb | 150 | 7% | USA | Healthcare |
| 83 | -5 | AIA Group | 150 | 14% | China | Financial Services |
| 83 | 67 | Volkswagen | 150 | 79% | Germany | Automobile & Auto Components |
| 87 | -10 | AstraZeneca | 149 | 12% | UK | Healthcare |
| 88 | -16 | Union Pacific | 145 | 4% | USA | Transportation & Logistics |
| 89 | 0 | Royal Bank of Canada | 143 | 23% | Canada | Financial Services |
| 90 | -11 | Amgen | 142 | 8% | USA | Healthcare |
| 91 | 3 | Starbucks | 140 | 21% | USA | Food & Beverages |
| 91 | 38 | Sea | 140 | 56% | Singapore | Media & Entertainment |
| 93 | -2 | Lowes | 139 | 20% | USA | Retail |
| 93 | -37 | Pinduoduo | 139 | -17% | China | Retail |
| 95 | -1 | Citigroup | 138 | 19% | USA | Financial Services |
| 96 | 26 | American Express | 137 | 42% | USA | Financial Services |
| 96 | 30 | Intuit | 137 | 47% | USA | Software & Services |
| 98 | 29 | Rio Tinto | 136 | 49% | Australia | Metals & Mining |
| 99 | 3 | Blackrock | 133 | 22% | USA | Financial Services |
| 100 | -16 | Boeing | 130 | 8% | USA | Aerospace and Defense |
| 100 | -18 | Sanofi | 130 | 4% | France | Healthcare |

**Source:** Hurun